

ऐ

हिंदी वर्णमाला का सानुनासिक स्वरवर्ण, जिसका उच्चारण स्थान कंठ, तालु और नासिका है; इस शब्द का प्रयोग सुनी गई बात को फिर से समझने के लिए होता है 2. संबोधन सूचक शब्द।

ऐं पुं. (तद्.) 1. महादेव, शिव 2. आमंत्रण, स्मरण आदि अर्थ में, प्रयुक्त।

ऐंग्लो-अमेरिकन पुं. (अं.) इंग्लैंड और अमरीका से संबंधित व्यक्ति, वस्तु।

ऐंग्लो-इंडियन वि. (अं.) जो इंग्लैंड में जन्मा हो और भारत में काफी अरसे से रह रहा हो, अंग्रेजी परिभाषा जैसी भारत में बोली जाती है। पुं. ब्रिटिश और भारतीय माता-पिता की संतति।

ऐंग्स्ट्रम पुं. (अं.) भौ. लंबाई का एक मापक जिसके द्वारा प्रकाश, पराबैंगनी किरणों, विकिरणों आदि की तरंग-दीर्घता को व्यक्त करने में किया जाता है।

ऐंचन पुं. (देश.) खिंचाव, झुकाव।

ऐंचना स.क्रि. (देश.) खींचना, तानना।

ऐंचाताना वि. (देश.) जिस व्यक्ति की आँख की पुतली देखते समय खिंचे एक ओर और वह देखे किसी अन्य ओर।

ऐंचातानी स्त्री. (देश.) अपनी-अपनी ओर खींचने का प्रयत्न; ना.अर्थ. असहमति, बहस।

ऐंचीला वि. (देश.) जिसमें खिंचाव हो, लचीला।

ऐंठ स्त्री. (देश.) ऐंठन, अकड़, ठसक, घमंड, अंहकार-भरी चेष्टा।

ऐंठन स्त्री. (तद्.) वह स्थिति जो रस्सी या लचीली चीज को मरोड़ने से उत्पन्न हो, घुमाव, लपेट, मरोड़, खिंचाव 2. वात आदि के प्रकोप

के कारण शरीर के किसी अंग में होने वाली मरोड़, कष्ट आदि, जैसे- पेट में होने वाली ऐंठन।

ऐंठना स.क्रि. (देश.) 1. मरोड़ना, घुमाव देना, कसना 2. भय दिखाकर धन आदि ले लेना स.क्रि. अकड़ना।

ऐंठा वि. (देश.) जो अकड़ या अभिमान दिखाता हो।

ऐंठू वि. (देश.) बहुत अकड़ दिखाने वाला।

ऐंड़ पुं. (देश.) 1. गर्व, घमंड 2. पानी का चक्रवात।

ऐंड़दार वि. (देश.+फा.) 1. ऐंठ दिखाने वाला, घमंडी, अकड़ू 2. टेढ़ा व्यक्ति 3. घुमावदार।

ऐंड़ना अ.क्रि. (देश.) 1. ऐंठना 2. अंगड़ाई लेना 3. घमंड प्रकट करना, इतराना।

ऐंड़-बैंड़ वि. (देश.) अंड-बंड 1. अनाप-शनाप, असंबद्ध प्रलाप 2. गाली-गलौज वि. बेसिर पैर का।

ऐंड़ा वि. (देश.) 1. ऐंठा हुआ, तिरछा, टेढ़ा 2. घमंडी।

ऐंड़ा-बैड़ा वि. (देश.) 1. बेदंगा 2. ऊट-पटांग।

ऐंदव वि. (तत्.) जो इंद्र (चंद्रमा) से संबंधित हो पुं. मृगसिरा नक्षत्र।

ऐंद्र पुं. (तत्.) 1. इंद्र का पुत्र 2. अर्जुन 3. बालि 4. ज्येष्ठा नक्षत्र। वि. इंद्र संबंधी, इंद्र का, जैसे- ऐंद्र व्याकरण।

ऐंद्रजाल पुं. (तत्.) इंद्रजाल, बाजीगरी, जादूगरी, दृष्टिभ्रम।

ऐंद्रजालिक पुं.वि. (तत्.) इंद्रजाल दिखाने वाला, जादूगर, बाजीगर।

ऐंद्रिय वि. (तत्.) 1. जो इंद्रियों से संबंधित हो 2. जो इंद्रियों का विषय हो, जिसे इंद्रियों द्वारा जाना जा सके।

ऐंद्रियता स्त्री. (तत्.) इंद्रियों से संबंध होने का भाव या स्थिति।

ऐंद्री स्त्री. (तत्.) 1. इंद्र की पत्नी शची 2. दुर्गा 3. इलायची।